THE TIMES OF INDA & DAINIK JAGRAN DT. 22 MAY, 2021

हरियाणा सरकार

22 मई, 2021

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

We're part of the solution #ForNature

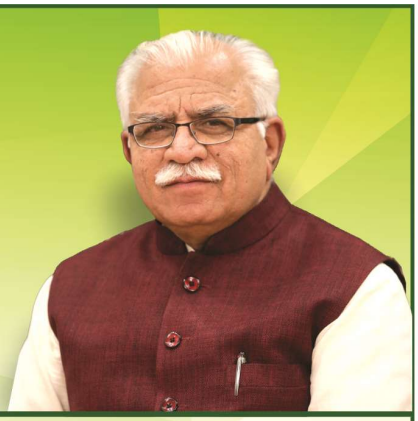

संदेश

जैव विविधता का अभिप्राय जीवों में पाई जाने वाली विभिन्नता से है। मानव जीवन में इसका अति महत्वपूर्ण स्थान है। इसके बिना पृथ्वी पर मानव जीवन की कल्पना असंभव है, इस लिए इसका संरक्षण किया जाना अति आवश्यक है। जैव विविधता हमारे भोजन, कपड़ा, औषधि, वन ईन्धन आदि की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। असल में जैव विविधता प्रकृति की स्वाभाविक सम्पत्ति है और इसका दोहन, प्रकृति के दोहन के समकक्ष है। अतः प्रकृति को नष्ट होने से बचाने के लिए जैव विविधता को संरक्षण प्रदान करना समय की सब से बड़ी आवश्यकता है।

विश्व में अब तक 14.36 लाख प्रजातियों की पहचान की जा सकी है। लेकिन ईको–सिस्टम के दोहन के कारण लगभग 27,000 प्रजातियां प्रति वर्ष विलुप्त हो रही हैं। अगर यही रफतार कायम रही तो विश्व की एक–चौथाई प्रजातियों का अस्तित्व सन् 2050 तक समाप्त हो जायेगा।

जैव विविधता कृषि पैदावार बढ़ाने के साथ–साथ रोग रोधी औषधियों तथा फसलों के विकास में सहायक होती हैं। इसी प्रकार जैव विविधता औषधियों की आवश्यकता की पूर्ति भी करती है। जैव विविधता पर्यावरण प्रदूषण के निस्तारण में भी सहायक होती है।

जैव विविधता की विलुप्तता का सीधा नाता प्रकृति के उपलब्ध संसाधनों के अत्याधिक दोहन व ईको–सिस्टम के साथ खिलवाड़ करने से जुड़ा है। बढ़ती जनसंख्या के साथ–साथ अंधाधुंध एवं अनियोजित विकास से उत्पन्न व्याधियों जैसे बाढ़, पर्यावरण प्रदूषण, ईको–सिस्टम से छेड़छाड़ एवं जलवायु परिवर्तन से जैव विविधता के संरक्षण पर बहुत बुरा असर पड़ता है। वैज्ञानिकों के अनुसार ईको–सिस्टम में मानवीय हस्तक्षेप और उसके अवक्रमण से जंगली जीव जन्तुओं का आवासीय क्षेत्र सिकुड जाता है और मनुष्य जीव जन्तुओं के बहुत करीब आ जाता है। इससे जीव जन्तुओं में पाये जाने वाले खतरनाक वायरस व बैक्टीरिया से मनुष्य रोग ग्रस्त हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड–19 के उजागर होने का सीधा नाता जैव विविधता के नष्ट होने से जुड़ा है क्योंकि बीमारियों का फैलना ईको–सिस्टम व उसमें बसे जीव जन्तुओं के साथ खिलवाड़ करने का ही परिणाम है।

इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का थीम "We are part of the solution" रखा गया है जो हमें सबक देता है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ ना किया जाये तो सभी समस्याओं का समाधान हमें प्रकृति में ही मिल जाता है। हम सभी के सहयोग से ही जैव विविधता का संरक्षण संभव है।

आज के समय में कोविड–19 मनुष्यों को जागरूक करने के लिए यह चेतावनी है कि प्रकृति के साथ छेडछाड न करके प्रकृति के साथ अच्छे सम्बन्ध स्थापित करने में ही मनुष्यता की भलाई है।

मुझे इस बात का हर्ष है कि लगातार दूसरे वर्ष लाकॅडाउन के कारण हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड अन्तर्राष्ट्रीय दिवस मनाने हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आनलाईन करके प्रकृति के साथ अच्छे सम्बंधो बारे जागरूकता लाने में प्रयासरत है।

मैं इस अवसर पर हरियाणा वासियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

22 मई, 2021

मनोहर लाल
मुख्यमंत्री, हरियाणा

Haryana State Biodiversity Board
हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड

हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, एस सी ओ नं0 206, सैक्टर 14, पंचकूला
संपर्क : 0172-2930434, 4046984 | Website: sbb.haryanaforest.gov.in
Email: sbbhry18@gmail.com